हिंदी को अंतरराष्ट्रीय फलक तक ले जाने को विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध

एमजीआइएचयू देश का एकमात्र जहां सारे काम होते हैं हिंदी में

दरभंगा, संस : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय (एमजीआइएचयू) वर्धा, महाराष्ट्र में एजुकेशन के संकायाध्यक्ष व दूरस्थ शिक्षा के निदेशक प्रो. अरविंद कुमार झा का मानना है कि हिंदी अब अंतरराष्ट्रीय फलक की हकदार बन गई है। एमजीआइएचयू भी हिंदी को अंतरराष्ट्रीय फलक पर पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। देश का यह एकमात्र विश्वविद्यालय है जहां सब क्रिया-कलाप हिंदी में होता है।

प्रो. झा ने मंगलवार को नागेंद्र झा महिला कॉलेज, लहेरियासराय में निरीक्षण के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि मिथिलांचल के शिक्षण संस्थान इस विवि के दूरस्थ शिक्षा के विभिन्न कोर्सों का लाभ मिले। इसी उद्देश्य से उन्होंने इस कॉलेज का निरीक्षण किया है। वीसी के अनुमोदन के बाद इस महिला कॉलेज में कई व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि इस कॉलेज की आधरभूत संरचना काफी मजबूत है। नारी शिक्षा

निरीक्षण करते निदेशक

के लिए प्रतिबद्ध इस महाविद्यालय में वे दूरस्थ शिक्षा के करीब तीन दर्जन कोर्सों में पढ़ाई प्रारंभ करने के लिए अनुमोदन करेंगे। इससे महिला सशक्तीकरण में काफी बल मिलेगा। उनके यहां मुख्य रूप से एमबीए, सामाजिक कार्य में स्नातकोत्तर, पत्रकारिता में स्नातकोत्तर, बीलिस, एमलिस, एमए हिंदी, इलेक्ट्रोनिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातक डिप्लोमा, पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, कंप्यूटर एप्लीकेशन, डीसीए, पीजी डीसीए, निर्देशन एवं परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि प्रमुख पाठ्यक्रम शामिल हैं। उन्होंने प्रधानाचार्य डॉ. ऋषि कुमार राय के नेतृत्व की प्रशंसा

एमजीआइएचयू के पदाधिकारी ने एनजेएम कॉलेज का किया निरीक्षण, कई पाठ्यक्रमों की होगी पढ़ाई

करते हुए कहा कि यहां के शिक्षकों व कर्मियों से मिलकर वे अभीभूत हैं। मौके पर डॉ. माधवेंद्र राय, डॉ. महादेव झा, प्रो. अशोक कुमार झा, प्रो. सुनील कुमार चौधरी, प्रो. महेश मोहन, प्रो. सुवीर चंद्र मिश्र, डॉ. पुष्कर भारती, डॉ. कुमरजी चौधरी, डॉ. सुजीत कुमार झा, प्रो. अरूण कुमार मिश्र, राजेश कुमार झा, संजीव कुमार, राजेश रंजन उर्फ बिट्टू आदि मौजूद थे।

करियर चयन में बरतें सावधानी

दरभंगा, संस : बच्चों को अपने कैरियर के चयन में काफी सावधानी बरतनी चाहिए। इसमें चूक गए तो सफलता नहीं मिलेगी। इसका चयन करते समय अपनी रूचि के साथ क्षमता का भी ध्यान रखें तो सफलता सौ प्रतिशत मिलेगी। ये बातें स्थानीय सांसद कीर्ति झा आजाद ने मंगलवार को लक्ष्मीसागर स्थित ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव समारोह को संबोधित करते हुई कहीं। उन्होंने कहा कि पहले कहावत थी खेलोगे, कूदोगे तो होगे खराब, लेकिन यह सही नहीं थी। सच्चाई यह है कि आप अपने लिए जिस क्षेत्र का भी चयन करें उसमें पूरी तन्मयता से लग जाएं। उसे जीवन का मिशन बना लें। आज अगर आप बढिया खेलते हो तो वह भी आपको शिखर पर पहुंचा देगा। लेकिन आपको अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना होगा। इस अवसर पर प्राचार्य गणेश प्रसाद सिंह ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विद्यालय की उपलब्धियों के साथ गायन, वादन के महत्व को भी रेखांकित किया। सचिव नंद किशोर यादव और वर्सर जय कुमार झा ने भी अपने उदगार रखे। मंगलाचरण तारानंद मिश्र ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों ने अपनी प्रस्तुति से श्रोताओं का मन मोह लिया।

आपको हमारा Epaper कैसा लगा हमें बतायें